अध्याय-1
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वित्त

अध्याय - 1

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वित्त

यह अध्याय 2016-17 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (रा.रा.क्षे.) दिल्ली सरकार के वित्तों का व्यापक परिदृश्य प्रस्तुत करता है और पिछले पाँच वर्षो के दौरान संपूर्ण प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए पूर्व वर्ष की तुलना में प्रमुख राजकोषीय संचयनों में होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण करता है। संघ सरकार तथा अन्य राज्य सरकारों के लेखे तीन भागों में रखे जाते हैः जैसे (i) समेकित निधि (ii) आकस्मिक निधि तथा (iii) लोक लेखे। जबकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लेखे दो भागों में रखे जाते हैं जैसे (क) समेकित निधि तथा (ख) आकस्मिक निधि। दिल्ली में लोक लेखे नहीं है। ऋण से संबंधित लेन-देनों (उन के अलावा जो लघु बचत योजनाओं से संबंधित हैं), जमाओं, अग्रिमों, प्रेषणों तथा उचंत का संघ सरकार के लोक लेखे में विलय किया जाता है। राज्य की राजकोषीय देयताओं में लघु बचत संग्रह शामिल है। रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के शेष को संघ सरकार के रोकड़ में विलय किया गया है जो कि सामान्य रोकड़ के शेष का भाग बनता है और इसे सरकार के पास जमा के रूप में माना जाता है। दिल्ली केन्द्रीय वित्त आयोग की सिफारिशों के अंतर्गत नहीं हैं तथा इसे संघीय करों व शुल्कों के राजकीय अंश के बदले केवल विवेकाधीन अनुदान प्राप्त है।

रा.रा.क्षे. दिल्ली की रुपरेखा

दिल्ली, देश की राजधानी, 1,483 वर्ग किमी क्षेत्र में फैली हुई है। यह 11,320 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. की औसत जनसंख्या घनत्व सहित घनी आबादी वाला क्षेत्र है। रा.रा.क्षे. का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (स.रा.घ.उ.) 2016-17 में ₹ 6,22,384.64 करोड़ था। इसका स.रा.घ.उ. पिछले दशक में सामान्य श्रेणी के राज्यों के औसत स.रा.घ.उ. वृद्धि (14.60 *प्रतिशत*) की तुलना में उच्च दर पर (16.46 *प्रतिशत*) बढ़ा है **(परिशिष्ट 1.1)**। भारत के स.घ.उ. तथा रा.रा.क्षे. दिल्ली के स.रा.घ.उ. की चालू मूल्यों पर वार्षिक वृद्धि की प्रवृत्ति **तालिका 1.1** में प्रदर्शित है।

तालिका 1.1 रा.रा.क्षे. दिल्ली की तुलना में भारत के स.घ.उ./स.रा.घ.उ. की वार्षिक वृद्धि

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
भारत के सकल घरेलू उत्पाद (₹ करोड़ में)	99,51,344	1,12,72,764	1,24,88,205	1,35,76,086	1,51,83,709
स.घ.उ. की वृद्धि दर (*प्रतिशत*)	13.91	13.28	10.78	8.71	11.84
सकल राज्य घरेलू उत्पाद (₹ करोड़ में)	3,91,238.43	4,43,782.79	4,92,424.22	5,51,963.41	6,22,384.64
स.रा.घ.उ. की वृद्धि दर (*प्रतिशत*)	13.81	13.43	10.96	12.09	12.76

स्त्रोतः आर्थिक तथा सांख्यिकी विश्लेषण निदेशालय, रा.रा.क्षे.दि.स. तथा केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय

1.1 प्रस्तावना

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के वित्त लेखे 16 विवरणियों में निर्धारित हैं जिनमें रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की समेकित निधि व आकस्मिक निधि में प्राप्तियाँ तथा व्यय राजस्व के साथ-साथ पूंजीगत भी प्रस्तुत की गई हैं (**परिशिष्ट 1.2**)।

1.2 चालू वर्ष के राजकोषीय लेन-देन का सारांश

तालिका 1.2 पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष (2016-17) के दौरान रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के राजकोषीय लेन-देनों का सार प्रस्तुत करता हैं। **परिशिष्ट 1.3** प्राप्तियों तथा संवितरणों का विवरण तथा चालू वर्ष के दौरान सम्पूर्ण राजकोषीय स्थिति का विवरण देता है।

तालिका 1.2: चालू वर्ष के राजकोषीय प्रचालनों का सार

(₹ करोड़ में)

प्राप्तियाँ			**संवितरण**				
	2015-16	**2016-17**		**2015-16**	**2016-17**		
खण्ड-अ राजस्व	**कुल**	**कुल**	**खण्ड-अ राजस्व**	**कुल**	**गैर योजनागत**	**योजनागत**	**कुल**
राजस्व प्राप्तियाँ	**34,998.85**	**34,345.74**	**राजस्व व्यय**	**26,342.55**	**20,585.33**	**8,716.59**	**29,301.92**
कर राजस्व	30,225.16	31,139.89	सामान्य सेवाएँ	6,427.12	6,327.40	262.88	6,590.28
गैर-कर राजस्व	515.40	380.69	सामाजिक सेवाएँ	14,817.83	8,915.57	7,663.32	16,578.89
			आर्थिक सेवाएँ	4,138.71	4,321.01	790.40	5,111.41
भारत सरकार से अनुदान	4,258.29	2,825.16	सहायता अनुदान तथा अंशदान	958.89	1,021.34	-	1,021.34
खण्ड-ब पूँजीगत			**खण्ड-ब पूँजीगत**				
विविध पूँजीगत प्राप्तियाँ	-	-	**पूँजीगत व्यय**	4,723.47	8.78	3,745.52	3,754.30
ऋण व अग्रिमों की वसूलियाँ	83.41	212.50	संवितरित ऋण व अग्रिम	2,684.32	911.08	1,641.44	2,552.52
सार्वजनिक ऋण प्राप्तियाँ*	2,241.13	1,695.53	सार्वजनिक ऋण का पुनर्भुगतान*	1,435.18	1,654.62	-	1,654.62
आकस्मिक निधि	10	0	आकस्मिक निधि से विनियोजन	10	-	-	0
आरंभिक नकद शेष#	1,517.07	3,654.94	अंतिम नकद शेष#	3,654.94	-	-	2,645.35
कुल	**38,850.46**	**39,908.71**		**38,850.46**			**39,908.71**

** भारत सरकार से ऋण व अग्रिम सम्मिलित हैं जो प्रमुखत: छोटी बचतों में अंश के रुप में है।*

 # नकद शेष को भारत सरकार के सामान्य नकद शेष में जोड़ा जाता है।

स्रोत: वर्ष 2016-17 के लिए दिल्ली के वित्त लेखे तथा प्र. लेखा कार्यालय, दिल्ली से प्राप्त सूचना

पिछले वर्ष की तुलना में 2016-17 के दौरान हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन निम्नलिखित हैं:

- राजस्व प्राप्तियों में ₹ 653.11 करोड़ की (1.87 *प्रतिशत*) कमी आई। कर राजस्व में ₹ 914.73 करोड़ (3.03 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई। राजस्व प्राप्ति

में कमी मुख्यतः गैर-कर राजस्व में ₹ 134.71 करोड़ (26.14 *प्रतिशत*) की कमी और भारत सरकार से प्राप्त होने वाले अनुदान में ₹ 1,433.13 करोड़ (33.66 *प्रतिशत*) की कमी थी। भारत सरकार से अनुदानों में कमी मुख्य रूप से क्षतिपूर्ति के अधीन कम प्राप्ति के कारण 2015-16 में ₹ 2572.48 करोड़ की तुलना में 2016-17 में ₹ 690.53 करोड़ के केन्द्रीय बिक्री कर को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के कारण से राजस्व की कमी के कारण हुई थी।

- राजस्व व्यय में ₹ 2,959.37 करोड़ (11.23 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई तथा पूँजीगत व्यय में ₹ 969.17 करोड़ (20.52 *प्रतिशत*) की कमी हुई।
- ऋण व अग्रिमों की वसूलियाँ ₹ 129.09 करोड़ (154.77 *प्रतिशत*) से बढ़ी जबकि ऋणों का संवितरण ₹ 131.80 करोड़ (4.91 *प्रतिशत*) घटा।
- सार्वजनिक ऋण प्राप्तियाँ ₹ 545.60 करोड़ (24.34 *प्रतिशत*) से घटी तथा पुनर्भुगतान में ₹ 219.44 करोड़ (15.29 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई।
- 2016-17 की समाप्ति पर नकद शेष पिछले वर्ष से ₹ 1,009.59 करोड़ (27.62 *प्रतिशत*) से घटा।

1.3 बजट अनुमान व वास्तविकता

कुछ महत्वपूर्ण राजकोषीय पैरामीटरों के लिए बजट अनुमान व वास्तविकताओं को **चार्ट 1.1** में दिखाया गया है।

चार्ट 1.1 : चयनित राजकोषीय पैरामीटरः वास्तविकताओं की तुलना में बजट अनुमान

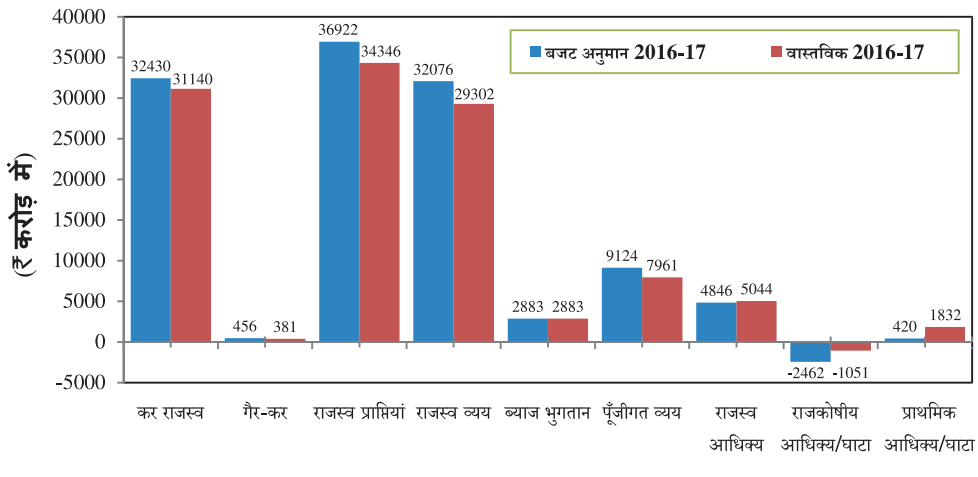

वर्ष के दौरान राजस्व प्राप्तियाँ तथा राजस्व व्यय दोनों लक्ष्यों से क्रमशः 7 *प्रतिशत* तथा 9 *प्रतिशत* कम थे। ₹ 2,462 करोड़ के अनुमानित राजकोषीय घाटे की तुलना में राजकोषीय घाटा ₹ 1,051 करोड़ (57.31 *प्रतिशत*) था जबकि प्राथमिक आधिक्य अनुमानित ₹ 420 करोड़ की तुलना में ₹ 1,832 करोड़ था।

1.4 राज्य के संसाधन

1.4.1 वार्षिक वित्त लेखों के अनुसार रा.रा.क्षे. के संसाधन

राजस्व व पूंजीगत प्राप्तियों के दो प्रकार हैं जिनसे राज्य सरकार के संसाधन बनते हैं। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व, गैर-कर राजस्व तथा भारत सरकार (भा.स.) से प्राप्त सहायता अनुदान आते हैं। पूंजीगत प्राप्तियों में विविध पूँजीगत प्राप्तियाँ जैसे ऋणों व अग्रिमों की वसूलियों से प्राप्तियाँ, ऋण प्राप्तियाँ तथा भा.स. से ऋण व अग्रिम साथ ही लोक लेखों की जमाएँ आती हैं। **तालिका 1.2** चालू वर्ष के दौरान रा.रा.क्षे. की प्राप्तियों तथा संवितरणों को जैसा कि दिल्ली के वार्षिक वित्त लेखे में दर्ज है, को प्रदर्शित करते है जबकि **चार्ट 1.2** तथा **चार्ट 1.4** कुल प्राप्तियों/संसाधनों के घटकों को दर्शाते है। **चार्ट 1.3** वर्ष 2012-17 के दौरान प्राप्तियों के विभिन्न घटकों में प्रवृत्तियों को दर्शाता है।

चार्ट 1.2: संसाधनों के संघटक तथा उप-संघटक

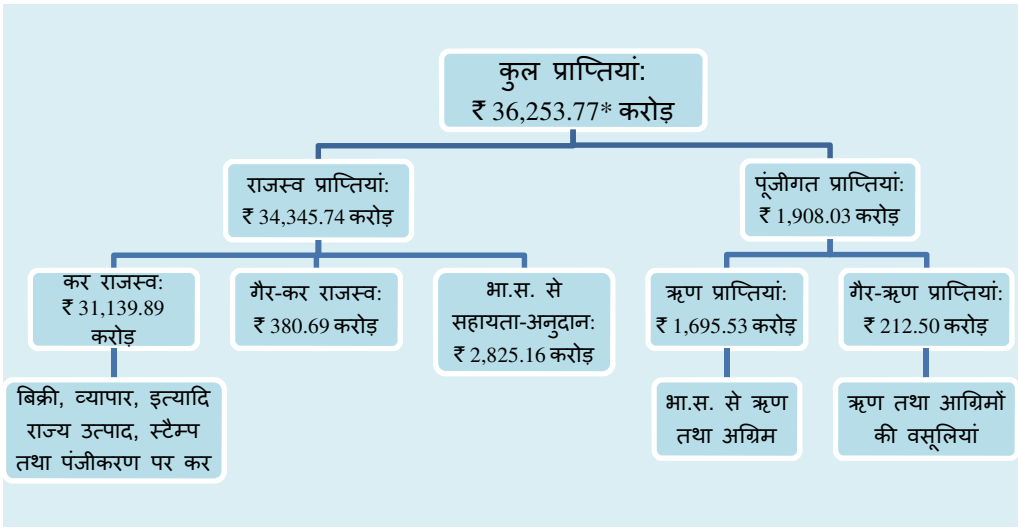

**नकद शेषों को छोड़कर*

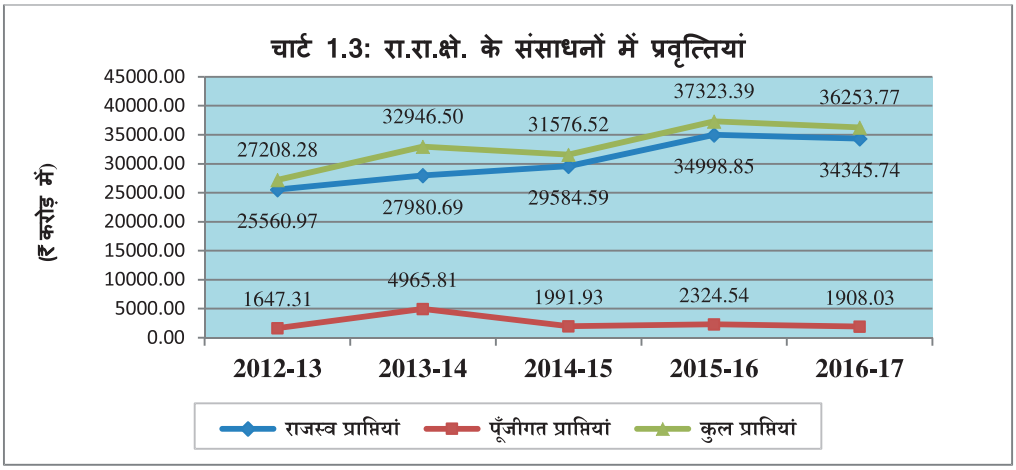

चार्ट 1.4: 2016-17 के दौरान रा.रा.क्षे.दि.स. के संसाधनों के घटक

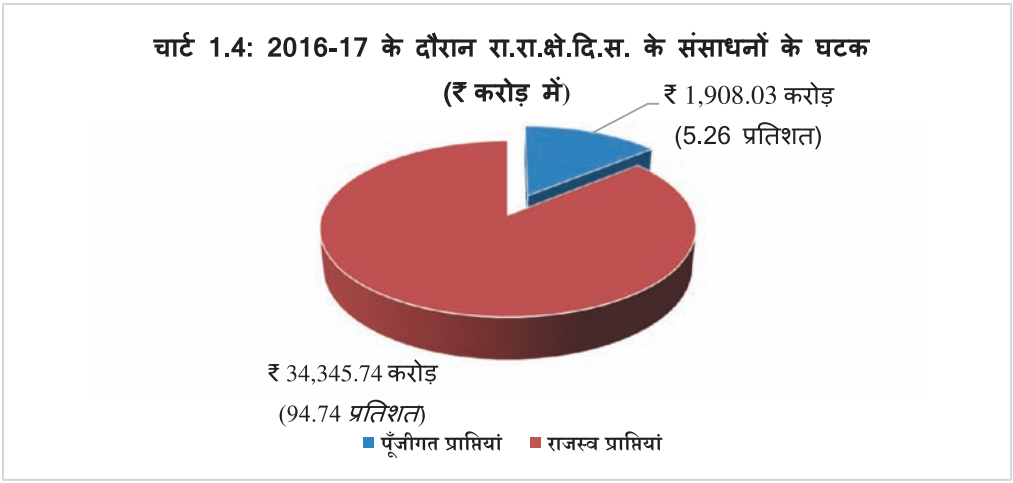

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की कुल प्राप्तियों में राजस्व प्राप्तियां 2012-13 के 93.95 *प्रतिशत* की तुलना में 2016-17 में 94.74 *प्रतिशत* थी।

1.5 राजस्व प्राप्तियाँ

राजस्व प्राप्तियों में राज्य के कर तथा गैर-कर राजस्व एवं भा.स. से सहायता अनुदान शामिल हैं। 2012-13 से 2016-17 की अवधि के दौरान रा.रा.क्षे. की राजस्व प्राप्तियों की प्रवृत्तियाँ व घटक **परिशिष्ट 1.3** में प्रस्तुत की गई है तथा क्रमशः **चार्ट 1.5 व 1.6** में भी दर्शाई गई है।

चार्ट 1.5: राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्ति

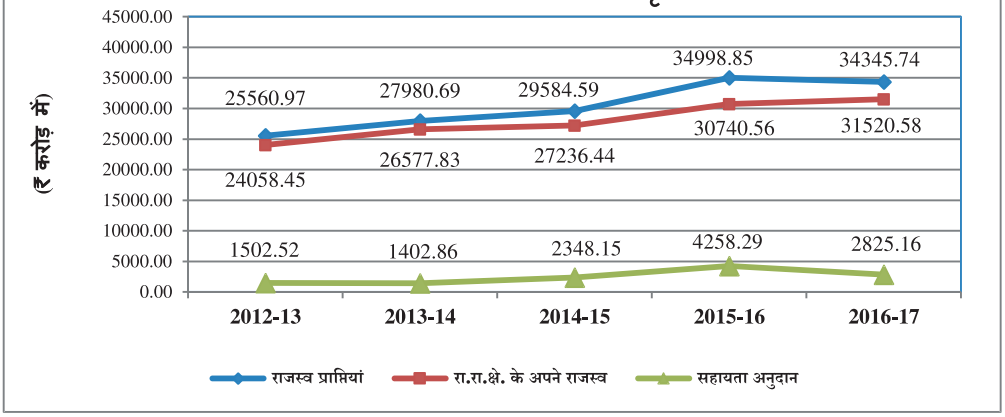

चार्ट 1.6 : 2012-17 के दौरान राजस्व प्राप्तियों के घटक

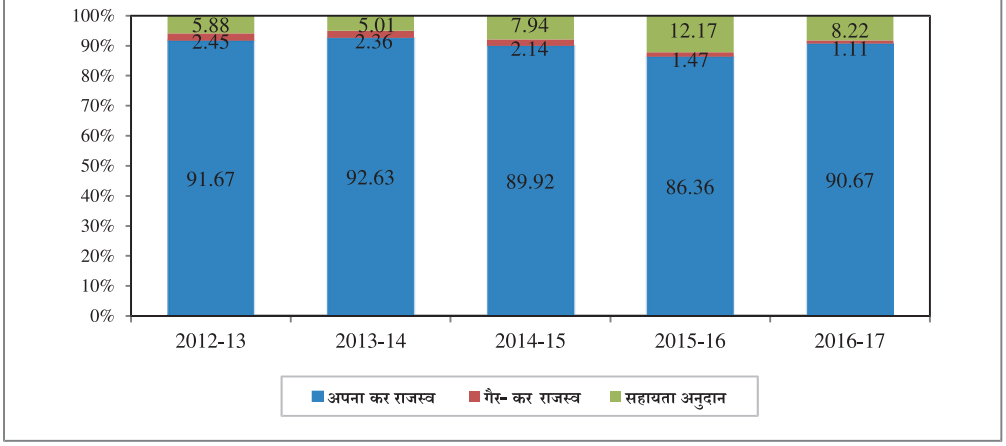

चार्ट 1.6 में देखा गया कि कुल राजस्व प्राप्तियों से रा.रा.क्षे. के अपने कर राजस्व का अंश 2012-13 में 91.67 *प्रतिशत* से 2013-14 में 92.63 *प्रतिशत* तक बढ़ गया तथा जबकि 2015-16 में धीरे-धीरे 86.36 *प्रतिशत* तक घट गया तथा 2016-17 में पुनः 90.67 *प्रतिशत* बढ़ गया। कुल राजस्व प्राप्तियों में गैर-कर राजस्व का अंश 2012-13 में 2.45 *प्रतिशत* से लगातार घटकर 2016-17 में 1.11 *प्रतिशत* हो गया सहायता अनुदान का अंश 2012-13 के 5.88 *प्रतिशत* से बढ़कर 2016-17 में 8.22 *प्रतिशत* हो गया। स.रा.घ.उ. के सापेक्ष में राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियाँ **तालिका 1.3** में दर्शाई गई है।

तालिका 1.3: स.रा.घ.उ. के सापेक्ष में राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियाँ

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
राजस्व प्राप्तियाँ (रा.प्रा.) (₹ करोड़ में)	25,560.97	27,980.69	29,584.59	34,998.85	34,345.74
रा.प्रा. की वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	14.15	9.47	5.73	18.30	-1.87
रा.प्रा./ स.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	6.53	6.31	6.01	6.34	5.52
अपने कर राजस्व की वृद्धि की दर	17.32	10.62	2.64	13.61	3.03
उत्प्लावकता अनुपात					
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राजस्व उत्प्लावकता	1.02	0.70	0.52	1.51	-0.15
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में रा.रा.क्षे. की अपनी कर उत्पलावकता	1.25	0.79	0.24	1.13	0.24

स्त्रोतः संबंधित वर्षों के लिए वित्त लेखे

2012-17 की अवधि में राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि की मिश्रित प्रवृत्ति दर्ज की गई। राजस्व प्राप्तियों में 1.87 *प्रतिशत* की ऋणात्मक वृद्धि थी, जबकि पिछले वर्ष की तुलना में 2016-17 में स.रा.घ.उ. बढ़कर 12.76 *प्रतिशत* हो गया **(परिशिष्ट 1.4)**। राजस्व प्राप्तियों में कमी का मुख्य कारण भा.स. से अनुदानों में ₹ 1,433.13 करोड़ (33.66 *प्रतिशत*) की कमी थी।

2012-13 के दौरान स.रा.घ.उ. के संदर्भ में रा.रा.क्षे. की कर राजस्व उत्प्लावकता 1.25 *प्रतिशत* थी जो कि 2014-15 में घट कर 0.24 *प्रतिशत* हो गई, 2015-16 के दौरान बढ़कर 1.13 *प्रतिशत* हो गई तथा 2016-17 में घटकर 0.24 *प्रतिशत* हो गई।

1.5.1 रा.रा.क्षे. के अपने संसाधन

रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजस्व प्राप्तियों में 2012-16 की अवधि के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी। यह वर्ष 2016-17 में पिछले वर्ष से आंशिक रूप से 1.87 *प्रतिशत* से घट गयी।

कर राजस्व

पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के दौरान कर राजस्व के घटक **चार्ट 1.7** में दिए गए हैं:

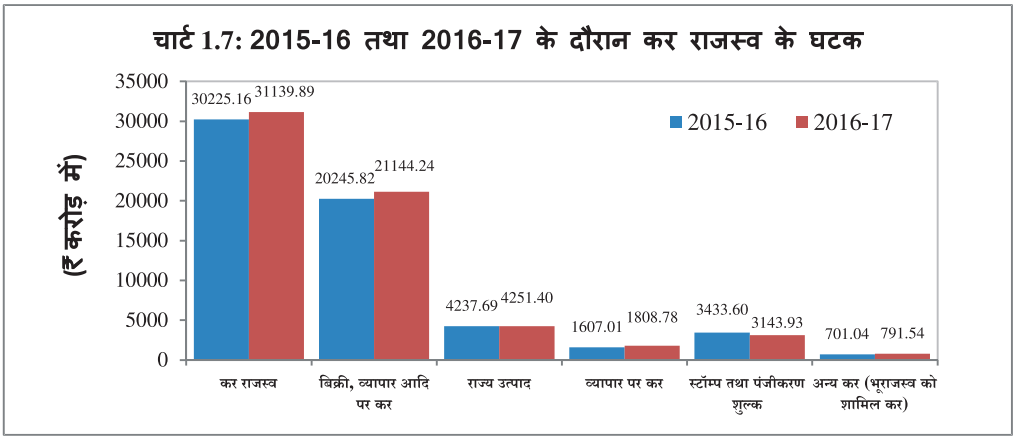

स्त्रोतः संबंधित वर्षों के लिए दिल्ली के वित्त लेखे

2016-17 के दौरान कर राजस्व (₹ 31,139.89 करोड़) पिछले वर्ष (₹ 30,225.16 करोड़) से ₹ 914.73 करोड़ (3.03 *प्रतिशत*) बढ़ा। राजस्व में प्रमुख योगदान बिक्री, व्यापार इत्यादि पर करों से था जिसका कुल कर राजस्व में लगभग 67.90 *प्रतिशत* का योगदान था तथा पिछले वर्ष से यह 4.44 *प्रतिशत* बढ़ा।

2016-17 के दौरान राज्य उत्पाद शुल्क के अंतर्गत वसूली पिछले वर्ष से ₹ 13.71 करोड़ (0.32 *प्रतिशत*) बढ़ी जबकि स्टॉम्प ड्यूटी ₹ 289.67 करोड़ (8.44 *प्रतिशत*) घट गई। इसी प्रकार, वाहनों पर कर व अन्य करों (भूमि राजस्व सहित) का अंशदान क्रमशः ₹ 201.77 करोड़ (12.56 *प्रतिशत*) तथा ₹ 90.50 करोड़ (12.91 *प्रतिशत*) बढ़ा।

गैर-कर राजस्व

2016-17 के दौरान गैर-कर राजस्व (₹ 380.69 करोड़) जो कुल राजस्व प्राप्तियों (₹ 34,345.74 करोड़) का 1.11 *प्रतिशत* था, पिछले वर्ष से ₹ 134.71 करोड़ (26.14 *प्रतिशत)* कम हो गया।

1.5.2 वसूली की लागत

वर्ष 2014-15 से 2016-17 के दौरान मुख्य राजस्व प्राप्ति की सकल वसूली, वसूली पर किया गया व्यय तथा सकल वसूली से ऐसे व्यय की *प्रतिशतता* को **तालिका 1.4** में दिया गया है।

तालिका 1.4 वसूली की लागत

(₹ करोड़ में)

राजस्व शीर्ष	वर्ष	संग्रहण	राजस्व संग्रहण पर व्यय	संग्रहण पर व्यय की *प्रतिशतता*
बिक्री, व्यापार इत्यादि पर कर	2014-15	18,289.31	49.26	0.27
	2015-16	20,245.82	56.16	0.28
	2016-17	21,144.24	63.05	0.30
राज्य उत्पाद शुल्क	2014-15	3,422.39	5.29	0.15
	2015-16	4,237.69	6.02	0.14
	2016-17	4,251.40	8.53	0.20
वाहनों पर कर	2014-15	1,558.83	31.49	2.02
	2015-16	1,607.01	38.47	2.39
	2016-17	1,808.78	45.36	2.51

उपरोक्त तालिका दर्शाती है कि 2016-17 के दौरान बिक्री, व्यापार इत्यादि पर कर राज्य उत्पाद तथा वाहनों पर कर वसूली पर व्यय की *प्रतिशत*ता में पिछले वर्ष से आंशिक वृद्धि हुई।

1.6 संसाधनों के अनुप्रयोग

1.6.1 व्यय की वृद्धि व संरचना

राज्य अपने कार्यों को पूरा करने, सामाजिक व आर्थिक सेवाओं की विद्यमान आपूर्ति को बनाए रखने, पूंजीगत व्यय तथा निवेश द्वारा इन सेवाओं के नेटवर्क का विस्तार करने तथा अपनी ऋण सेवा की देयताओं के निर्वहन हेतु संसाधन उत्पन्न करते हैं। रा.रा.क्षे. का कुल व्यय 2012-13 में ₹ 28,570.82 करोड़ से बढ़कर 2016-17 में ₹ 35,608.74 करोड़ हो गया **(परिशिष्ट 1.3)**।

चालू वर्ष के दौरान कुल व्यय ₹ 35,608.74 करोड़ पिछले वर्ष से ₹ 1,858.40 करोड़ (5.51 *प्रतिशत*) बढ़ा। कुल वृद्धि में से, राजस्व व्यय ₹ 2,959.37 करोड़ बढ़ा, जबकि पूँजीगत व्यय तथा ऋण एवं अग्रिम क्रमशः ₹ 969.17 करोड़ तथा ₹ 131.80 करोड़ तक घट गए। चालू वर्ष के दौरान व्यय में कुल वृद्धि की तुलना में पूँजीगत व्यय के शेयर में कमी राज्य द्वारा निधियों के कम उत्पादक विनियोजन का सूचक है। पिछले पाँच सालों में राजस्व व्यय 2012-13 में ₹ 20,659.36 करोड़ से बढ़कर 2016-17 में ₹ 29,301.92 करोड़ हो गया जोकि 41.83 *प्रतिशत* की वृद्धि थी। जबकि पिछले पाँच वर्षों के दौरान पूंजीगत में मिश्रित प्रवृति दिखाई गई थी। यह 2012-13 में ₹ 4,176.63 करोड़ से बढ़कर 2013-14 में ₹ 4,707.42 करोड़ हो गई थी फिर 2014-15 में घटकर ₹ 4,403.94 करोड़ हो गई, पुनः 2015-16 में बढ़कर ₹ 4,723.47 करोड़ हो गई तथा पिछले वर्ष की तुलना में 20.52 *प्रतिशत* की कमी दर्ज करते हुए 2016-17 में ₹ 3,754.30 करोड़ पर स्थिर हो गई।

पूंजीगत व्यय व राजस्व व्यय 2012-13 में कुल व्यय (ऋण व अग्रिम को छोड़कर) का क्रमश: 16.82 *प्रतिशत* तथा 83.18 *प्रतिशत* थे जबकि 2016-17 में ये क्रमशः 11.36 *प्रतिशत* व 88.64 *प्रतिशत* थे। योजनागत शीर्ष के अन्तर्गत कुल व्यय 2015-16 में ₹ 13,091.75 करोड़ से घटकर ₹ 629.64 करोड़ की कमी दर्ज करते हुए 2016-17 में ₹ 12,462.11 करोड़ हो गया, जबकि गैर-योजनागत व्यय 2015-16 में ₹ 17,974.27 करोड़ से बढ़कर ₹ 2,619.84 करोड़ की वृद्धि दर्ज कर 2016-17 के दौरान ₹ 20,594.11 करोड़ हो गया। 2016-17 के दौरान योजनागत और गैर-योजनागत व्यय कुल व्यय (ऋण व अग्रिमों को छोड़कर) का क्रमशः 37.70 *प्रतिशत* और 62.30 *प्रतिशत* थे। 2012-17 की अवधि के दौरान कुल व्यय की प्रवृत्तियाँ **चार्ट 1.8** प्रस्तुत करता है।

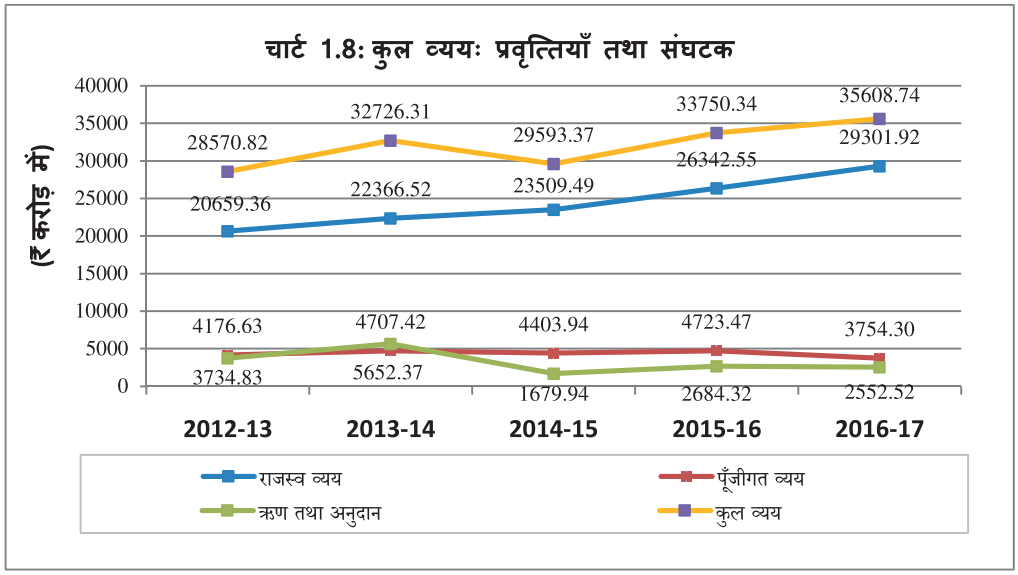

'आर्थिक वर्गीकरण' एवं 'गतिविधि वार व्यय' दोनों के संयोजन को क्रमशः **चार्ट 1.9 एवं 1.10** में दिखाया गया है।

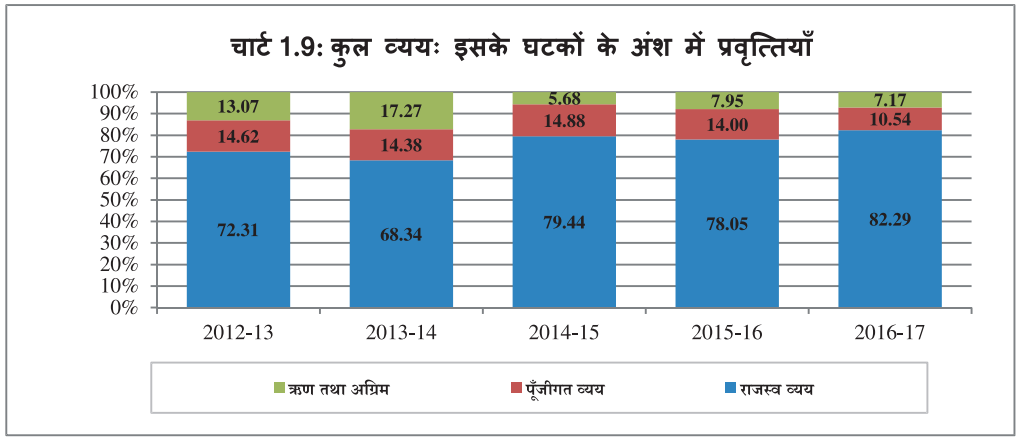

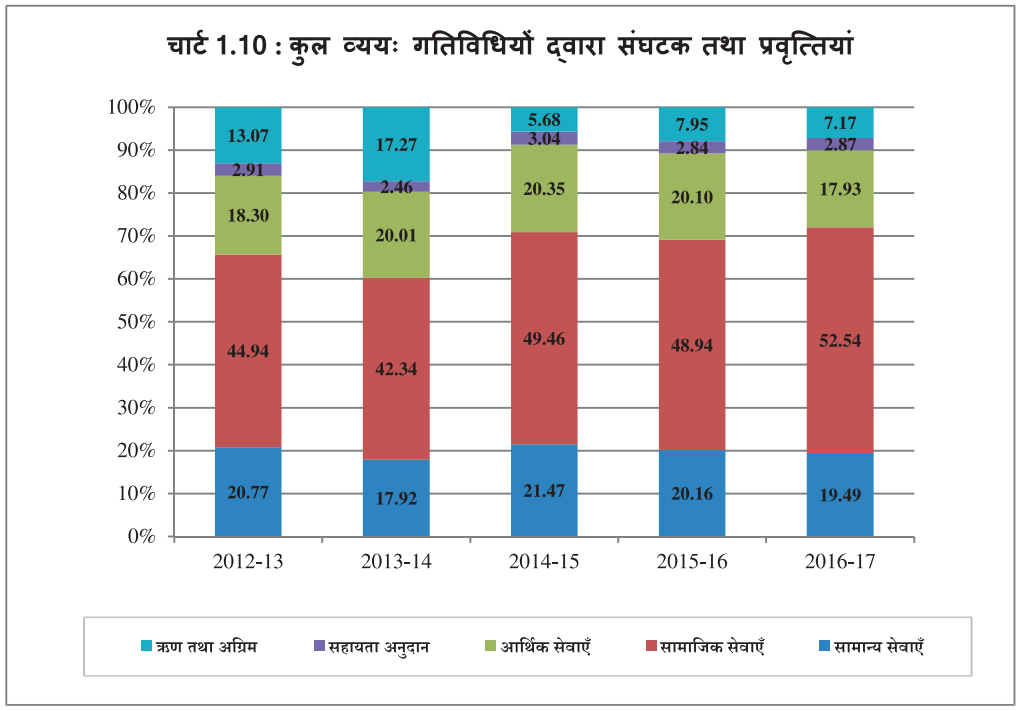

2012-17 के दौरान कुल व्यय में सामान्य सेवाओं का अंश 20.77 *प्रतिशत* से घटकर 19.49 *प्रतिशत* हो गया जबकि सामाजिक सेवाओं का अंश 44.94 *प्रतिशत* से बढ़कर 52.54 *प्रतिशत* हो गया जबकि उसी अवधि के दौरान ऋण तथा अग्रिम पर कुल व्यय 13.07 *प्रतिशत* से घटकर 7.17 *प्रतिशत* हो गया।

1.7 व्यय की गुणवत्ता

राज्य में अच्छे सामाजिक एवं भौतिक अवसंरचना की उपलब्धता सामान्यतः इसके व्यय की गुणवत्ता को दर्शाता है। व्यय की गुणवत्ता में सुधार के अन्तर्गत् मूल रुप से तीन पहलू जैसे, व्यय की पर्याप्तता (अर्थात् सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करने हेतु पर्याप्त प्रावधान), व्यय के प्रयोग में दक्षता तथा प्रभाविता (कुछ चुनिंदा सेवाओं हेतु परिव्यय-परिणाम सम्बन्धों का मूल्यांकन) सम्मिलित हैं।

1.7.1 सार्वजनिक व्यय की पर्याप्तता

2016-17 के दौरान विकास व्यय, सामाजिक क्षेत्र व्यय तथा पूँजीगत व्यय के संबंध में राज्य सरकार की राजकोषीय प्राथमिकता को **तालिका 1.5** दर्शाता है।

तालिका 1.5: 2013-14 और 2016-17 में राज्य की राजकोषीय प्राथमिकता

(***प्रतिशत में***)

राज्य की राजकोषीय प्राथमिकता	कु.व्य./ स.रा.घ.उ.	वि.व्य#/ कु.व्य.	सा.से.व्य./ कु.व्य.	पू.व्य./ कु.व्य.	शिक्षा/ कु.व्य.	स्वास्थ्य/ कु.व्य.
सामान्य श्रेणी राज्य औसत (अनुपात) 2013-14	14.80	70.00	38.20	13.70	17.70	4.60
दिल्ली राज्य का (अनुपात) 2013-14	7.37	78.86	46.60	14.61	18.85	9.10
सामान्य श्रेणी के राज्यों का औसत (अनुपात) 2016-17	16.70	70.90	32.20	19.70	15.20	4.80
दिल्ली राज्य का (अनुपात) 2016-17	5.72	75.92	54.68	10.54	25.61	11.32

कु.व्य: कुल व्यय वि.व्य.: विकास व्यय सा.से.व्य: सामाजिक सेवा व्यय पूं.व्य.: पूंजीगत व्यय

 # विकास व्यय में विकास राजस्व व्यय, विकास पूंजीगत व्यय तथा संवितरित ऋण व अग्रिम शामिल है।

स.रा.घ.उ. का स्रोत : सूचना जो 29 जुलाई 2017 को सी.एस.ओ. वेबसाइट पर उपलब्ध है

- स.रा.घ.उ. के अनुपात में रा.रा.क्षे. दिल्ली का कुल व्यय सामान्य श्रेणी राज्यों की तुलना में 2013-14 एवं 2016-17 दोनों वर्षों में निम्न था।
- सरकार ने विकास व्यय को 2013-14 एवं 2016-17 में राजकोषीय प्राथमिकता दी क्योंकि इसका कुल व्यय से अनुपात सामान्य श्रेणी राज्यों के औसत अनुपात से अधिक था।
- सामान्य श्रेणी राज्यों की तुलना में कुल व्यय से पूँजीगत व्यय का अनुपात 2013-14 में आंशिक रूप से अधिक एवं 2016-17 में कम था।
- 2013-14 में कुल व्यय से शिक्षा पर व्यय का अनुपात सामान्य श्रेणी राज्यों से अधिक था तथा आगे 2016-17 में बढ़ गया था।
- 2013-14 एवं 2016-17 में दिल्ली में स्वास्थ्य को दी गई प्राथमिकता सामान्य श्रेणी राज्यों से बहुत ज्यादा थी।

1.7.2 प्रयुक्त व्यय की दक्षता

सामाजिक एवं आर्थिक विकास पर सार्वजनिक व्यय के महत्व को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि राज्य सरकारों द्वारा व्यय के पुनर्गठन हेतु समुचित उपाय किए जाएँ तथा विशेषतः हाल के वर्षों में ऋण सेवा में कमी के कारण राजकोष में उत्पन्न स्थान को ध्यान में रखकर विकास व्यय हेतु आबंटन में सुधार करने के अतिरिक्त मौलिक, सार्वजनिक तथा योग्यतामूलक वस्तुओं* के प्रावधान पर बल दिया जाना चाहिए। **तालिका 1.6 तथा चार्ट 1.11** चालू वर्ष तथा विगत वर्षों के दौरान विकास व्यय की प्रवृत्तियों को दर्शाती है।

तालिका 1.6: विकास व्यय

(₹ करोड़ में)

विकास व्यय के घटक	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	
					बजट अनुमान	वास्तविक
क. विकास राजस्व व्यय	14,088.26	15,964.55	16,625.10	18,956.54	23,843.96	21,690.30
ख. विकास पूंजीगत व्यय	3,979.76	4,441.95	4,032.84	4,345.81	4,254.35	3,404.09
ग. विकास ऋण व अग्रिम	2,734.03	5,401.63	1,634.24	2,092.85	2,002.04	1,941.45
कुल	**20,802.05**	**25,808.13**	**22,292.18**	**25,395.20**	**30,100.35**	**27,035.84**

स्त्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

चार्ट 1.11: वर्ष 2012-13 से 2016-17 के लिए विकास व्यय

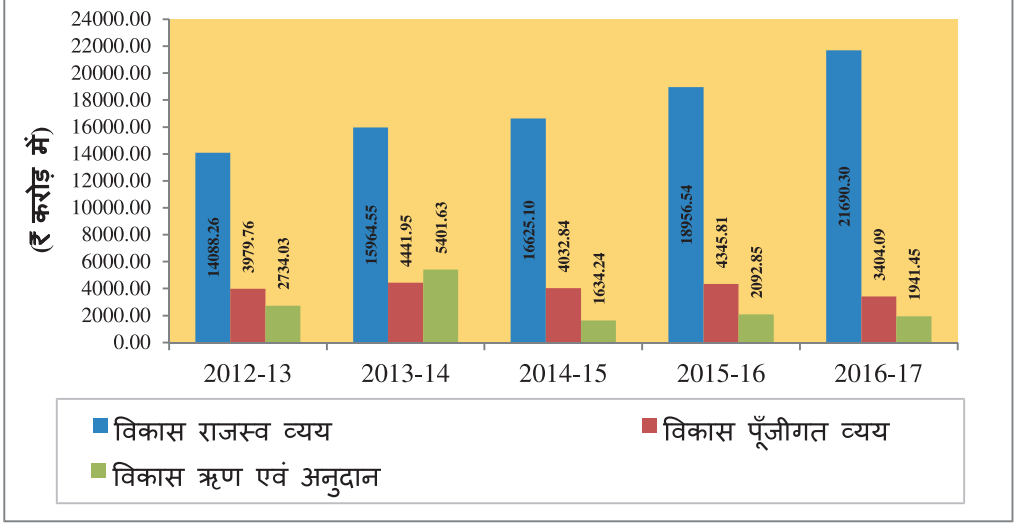

* **मौलिक सार्वजनिक वस्तुएँ** वे हैं जो सभी नागरिक साथ-साथ उपयोग करते हैं अर्थात् ऐसी वस्तु के किसी व्यक्ति द्वारा उपभोग से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उस वस्तु के उपयोग में कमी नहीं आती है , यथा कानून व्यवस्था लागू करना, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षा, प्रदूषणमुक्त वायु व पर्यावरणीय वस्तुएँ व सड़क अवसंरचना, इत्यादि।

योग्यतामूलक वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जिसे सार्वजनिक क्षेत्र निशुल्क अथवा रियायती दरों पर प्रदान करता है क्योंकि एक व्यक्ति या समाज को वे आवश्यकता की एक संकल्पना के आधार पर मिलने चाहिए, न कि सरकार को भुगतान करने की क्षमता या इच्छा के कारण। ऐसी वस्तुओं के उदाहरण हैं पोषाहार हेतु निर्धनों को निःशुल्क व रियायती भोजन, जीवन की गुणवत्ता सुधारने तथा रूग्णता कम करने हेतु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना, सभी को मौलिक शिक्षा प्रदान करना, पेय जल व स्वच्छता, इत्यादि।

2016-17 के दौरान राजस्व एवं पूंजीगत के अन्तर्गत् विकास व्यय अनुमानों से क्रमशः ₹ 2,153.66 करोड़ (9.03 *प्रतिशत*) तथा ₹ 850.26 करोड़ (19.99 *प्रतिशत*) कम था। यह दर्शाता है कि बजट अनुमानों को तैयार करते समय विभिन्न योजनागत योजनाओं का क्रियान्वयन करने में क्रियान्वयन एजेंसियों की तैयारी का आकलन नहीं किया गया।

वर्ष 2012-13 से 2016-17 के दौरान विकास राजस्व व्यय में 53.96 *प्रतिशत* की वृद्धि हुई तथा विकास पूंजीगत व्यय में 14.46 *प्रतिशत* की कमी हुई। यद्यपि, पिछले वर्ष की तुलना में 2016-17 में विकास पूंजीगत व्यय ₹ 941.72 करोड़ (21.67 *प्रतिशत*) से कम था। विकास ऋण तथा अग्रिम 2012-13 से 2013-14 के दौरान 97.57 *प्रतिशत* तक बढ़ गए तथा इसके पश्चात वर्ष 2013-14 से 2016-17 के दौरान 64.06 *प्रतिशत* तक घट गए।

1.8 सरकारी व्यय व निवेशों का वित्तीय विश्लेषण

यह खण्ड पिछले वर्षों की तुलना में चालू वर्ष में सरकार द्वारा किए गए निवेश तथा अन्य पूंजीगत व्यय की गतिविधियों का विस्तृत वित्तीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

1.8.1 निवेश तथा प्रतिफल

31 मार्च 2017 तक, सरकार ने सांविधिक निगमों, ग्रामीण बैंकों, संयुक्त स्टॉक कम्पनियों तथा सहकारी समितियों में ₹ 18,933.05 करोड़ का निवेश किया था। इस निवेश पर प्रतिफल (आर.ओ.आई.) 2016-17 में बहुत कम 0.06 *प्रतिशत* था। 2012-17 के दौरान प्रतिफल 0.06 तथा 0.16 *प्रतिशत* के मध्य था। सरकार ने 2016-17 के दौरान अपने उधारों पर औसतन 8.65 *प्रतिशत* की दर से ब्याज चुकाया। **तालिका 1.7** में विवरण दिया गया है:

तालिका 1.7: निवेश पर प्रतिफल

(₹ करोड़ में)

निवेश/प्रतिफल/उधारों की लागत	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
वर्ष के अन्त तक निवेश	16,388.15	17,060.35	17,660.35	18,492.15	18,933.05
निवेश पर प्रतिफल	26.25	11.95	12.90	12.32	11.28
निवेश पर प्रतिफल (%)	0.16	0.07	0.07	0.07	0.06
सरकारी उधारों पर ब्याज की औसत दर (%)	9.73	9.21	8.59	8.54	8.65
ब्याज दर तथा प्रतिफल में अन्तर (%)	9.57	9.14	8.52	8.47	8.59

2016-17 में पिछले राजकोषीय वर्ष में निवेश में वृद्धि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में ₹ 323.27 करोड़ के नए निवेश के कारण थी। 26 कंपनियों में ₹ 18,933.05 करोड़ के कुल निवेश में से केवल तीन कंपनियों अर्थात् (i) दिल्ली कॉपरेटिव हाउसिंग फाइनेंस सोसाइटी लिमिटेड, (ii) दिल्ली राज्य नगर आपूर्ति निगम लिमिटेड, तथा (iii) इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के पास

मार्च 2017 तक ₹ 44.26 करोड़ के निवेश थे जिनसे 2016-17 के दौरान ₹ 11.28 करोड़ का लाभांश प्राप्त हुआ जो इन कंपनियों में निवेश का 25.49 *प्रतिशत* था।

1.8.2 सरकार द्वारा ऋण व अग्रिम

सहकारी समितियों, निगमों व कम्पनियों में निवेश के अतिरिक्त सरकार संगठनों/संस्थानों को भी ऋण व अग्रिम प्रदान कर रही है। 31 मार्च 2017 तक कुल बकाया ऋण एवं अग्रिम ₹ 62,255.13 करोड़ थी जैसा कि **तालिका 1.8** में दर्शाया गया है।

तालिका 1.8: रा.रा.क्षे. सरकार द्वारा ऋणों व अग्रिमों पर प्राप्त औसत ब्याज

(₹ करोड़ में)

ऋणों/ब्याज की मात्रा प्राप्तियाँ/उधारों की लागत	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
अथशेष	47,877.90	50,887.82	55,737.28	57,189.61	59,915.10*
वर्ष के दौरान दी गई अग्रिम की राशि	3,734.83	5,652.37	1,679.94	2,684.32	2,552.52
वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान की राशि	724.90	802.91	227.61	83.42	212.50
अंतशेष	50,887.82	55,737.28	57,189.61	59,790.52	62,255.12
सकल योग	3,009.93	4,849.46	1,452.33	2,600.91	2,340.02
ब्याज प्राप्तियाँ	340.03	379.35	350.52	82.53	81.39
बकाया ऋणों व अग्रिमों की प्रतिशतता के रूप में ब्याज प्राप्तियाँ	0.67	0.68	0.61	0.14	0.13

**इस राशि में ₹ 124.58 करोड़ शामिल है जो वर्गीकरण की त्रुटि को सुधारने के लिए पूर्वावधि समायोजन दर्शाते हैं।*

राज्य स्तरीय संगठनों/संस्थानों के प्रति बकाया ऋण रा.रा.क्षे. दिल्ली के कुल बकाया ऋणों का बहुत बड़ा भाग है। रा.रा.क्षे., दिल्ली सरकार द्वारा बहुत से सरकारी उद्यमों तथा संस्थाओं, जिनको ऋण एवं अग्रिम दिए गए थे और 2016-17 के अंत में बकाया रह गए थे, वे जल आपूर्ति और सफाई प्रबंध (₹ 17,381.29 करोड़), शहरी विकास (₹ 1,653.92 करोड़), सड़क परिवहन (₹ 14,956.14 करोड़), पावर परियोजनाओं (₹ 11,713.69 करोड़) और विविध ऋण (₹ 15,814.45 करोड़) के क्षेत्रों में थे।

1.9 परिसम्पत्तियाँ व देयताएँ

1.9.1 परिसम्पत्तियाँ व देयताओं की वृद्धि व संरचना

सरकार के वर्तमान लेखाकरण प्रणाली में अचल परिसंपत्तियों जैसे सरकार के स्वामित्व वाली भूमि व भवनों का विस्तृत लेखाकरण नहीं किया जाता। यद्यपि, सरकारी लेखों में सरकार की वित्तीय देयताओं व किए गए व्यय से सृजित परिसम्पत्तियों को दर्ज किया जाता है। **परिशिष्ट 1.5** 31 मार्च 2017 को ऐसी देयताओं व परिसम्पत्तियों का सार 31 मार्च 2016 की संबंधित स्थिति से तुलना करते हुए प्रस्तुत करता है। इस परिशिष्ट में दी गई देयताओं में भारत सरकार (भा.स.) द्वारा दिए केवल ऋण व अग्रिम ही

सम्मिलित है। परिसम्पत्तियों में मुख्यतः सरकार द्वारा प्रदत्त पूँजीगत परिव्यय व ऋण एवं अग्रिम तथा नकद शेष आते है।

1.9.2 राजकोषीय देयताएँ

तालिका 1.9 रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजकोषीय देयताओं, उनकी वृद्धि दर, स.रा.घ.उ. से इन देयताओं, राजस्व प्राप्तियों से तथा अपने संसाधनों से अनुपात और इन पैरामीटरों के संदर्भ में राजकोषीय उत्तरदायित्व की उत्प्लावकता को भी दर्शाती है।

तालिका 1.9: राजकोषीय उत्तरदायित्व - मुख्य पैरामीटर

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
राजकोषीय देयताएँ (₹ करोड़ में)	29,242.71	32,080.32	32,497.91	33,303.87	33,344.78
वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	(-)1.23	9.70	1.30	2.48	0.12
राजकोषीय उत्तरदायित्व का अनुपातः					
स.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	7.47	7.23	6.60	6.03	5.36
राजस्व प्राप्तियाँ (*प्रतिशत*)	114.40	114.65	109.85	95.16	97.09
अपने संसाधन# (*प्रतिशत*)	121.55	120.70	119.32	108.34	105.79
राजकोषीय उत्तरदायित्व की उत्प्लावकता के संदर्भ में:					
स.रा.घ.उ. (अनुपात)	(-)0.09	0.72	0.12	0.21	0.01
राजस्व प्राप्तियाँ (अनुपात)	(-)0.09	1.02	0.23	0.14	(-)0.07
अपने संसाधन# (अनुपात)	(-)0.07	0.93	0.52	0.19	0.05

 # अपने संसाधन कर राजस्व तथा गैर कर राजस्व है

रा.रा.क्षे. की सम्पूर्ण राजकोषीय देयताएँ 2012-13 में ₹ 29,242.71 करोड़ से बढ़कर 2016-17 में ₹ 33,344.78 करोड़ (14.03 *प्रतिशत*) हो गई। 2016-17 के दौरान ₹ 33,344.78 करोड़ की राजकोषीय देयताओं में ₹ 30,018.37 करोड़ की 'छोटी बचतों के संग्रह का अंश', ₹ 3,326.39 करोड़ की 'संसाधनों में अंतर की पूर्ति हेतु ऋण' का तथा ₹ 0.01 करोड़ 'अन्य सहकारी समितियों को सहकारी सहायता' की बाध्यताएँ थी। 2016-17 की समाप्ति पर राजकोषीय देयताएँ राजस्व प्राप्तियों का 0.97 गुणा तथा राज्य के अपने संसाधनों का 1.06 गुणा थी।

1.10 ऋण प्रबंधन

(i) ऋण रूपरेखा

तालिका 1.10 पिछले पाँच वर्षों के लिए रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की आंतरिक ऋण रूपरेखा की समय श्रृंखला के विश्लेषण को बताती है।

तालिका 1.10: ऋण रूपरेखा तथा रा.रा.क्षे.दि.स. का प्रति व्यक्ति ऋण

(₹ करोड़ में)

वर्ष	अथशेष	ऋण प्राप्तियाँ	वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान	अंतशेष	वृद्धि/कमी	पिछले वर्ष की प्रतिशतता में वृद्धि	प्रति व्यक्ति ऋण ₹ में
2012-13	29,608.29	922.41	1,287.99	29,242.71	-365.58	-1.23	17,406
2013-14	29,242.71	4,162.90	1,325.29	32,080.32	2,837.61	9.70	19,095
2014-15	32,080.32	1,764.32	1,346.73	32,497.91	417.59	1.30	19,344
2015-16	32,497.91	2,241.13	1,435.17	33,303.87	805.96	2.48	19,824
2016-17	33,303.87	1,695.53	1,654.62	33,344.78	40.91	0.12	19,848

स्त्रोतः संबंधित वर्षों के राज्य वित्त लेखे

सरकार के आंतरिक ऋण 2012-13 में ₹ 29,242.71 करोड़ से ₹ 4,102.07 करोड़ (14.03 *प्रतिशत*) बढ़ कर 2016-17 में ₹ 33,344.78 करोड़ हो गया। 2016-17 के दौरान आंतरिक ऋण पर ₹ 2,882.52 करोड़ के ब्याज का भुगतान किया गया।

(ii) ऋण धारणीयता

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के ऋण की मात्रा के अतिरिक्त राज्य की ऋण धारणीयता को निर्धारित करने वाले विभिन्न घटकों का विश्लेषण करना भी आवश्यक है। ऋण धारणीयता भविष्य में राज्य की ऋण सेवा सामर्थ्य को बताती है। यह खंड रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की वृद्धि की दर, बकाया ऋण, ब्याज भुगतान तथा राजस्व प्राप्ति के अनुपात, ऋण पुनर्भुगतान तथा ऋण प्राप्ति एवं राज्य को उपलब्ध निवल ऋण के संदर्भ में ऋण की धारणीयता को आकलित करता है। 2012-13 से 2016-17 के पाँच वर्षों की अवधि के लिए इन संकेतकों के अनुसार **तालिका 1.11** राज्य की ऋण धारणीयता का विश्लेषण करता है।

तालिका 1.11: ऋण धारणीयताः संकेतक व प्रवृत्तियाँ

ऋण धारणीयता के संकेतक	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
बकाया सार्वजनिक ऋण (₹ करोड़ में)	29,242.71	32,080.32	32,497.91	33,303.87	33,344.78
बकाया सार्वजनिक ऋण के वृद्धि की दर (*प्रतिशत* में)	(-)1.23	9.70	1.30	2.48	0.12
स.रा.घ.उ. (₹ करोड़ में)	3,91,238.43	4,43,782.79	4,92,424.22	5,51,963.41	6,22,384.64
स.रा.घ.उ. के वृद्धि की दर (*प्रतिशत* में)	13.81	13.43	10.96	12.09	12.76
बकाया ऋण की औसत ब्याज दर (चुकाया गया ब्याज/ सार्वजनिक ऋण का अ.शे. +सार्वजनिक ऋण का अं.शे./2) (*प्रतिशत* में)	9.73	9.21	8.59	8.54	8.65
राजस्व प्राप्ति से ब्याज की *प्रतिशतता*	11.20	10.09	9.38	8.03	8.39
ऋण प्राप्ति से ऋण भुगतान की *प्रतिशतता*	1.40	0.32	0.76	0.64	0.98
रा.रा.क्षे. को उपलब्ध निवल ऋण#	(-) 3,228.46	13.31	(-) 2,356.41	(-) 2,003.85	(-) 2,841.61

स्त्रोतः संबंधित वर्षों के राज्य वित लेखे।

राज्य को उपलब्ध निवल ऋण का अर्थ सार्वजनिक ऋण प्राप्तियों की सार्वजनिक ऋण के पुनर्भुगतान और सार्वजनिक ऋण पर ब्याज भुगतान से होने वाली अधिकता है।

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का सार्वजनिक ऋण 2012-13 में ₹ 29,242.71 करोड़ से 2016-17 में ₹ 33,344.78 करोड़ हो गया तथा 2012-17 की अवधि में 14.03 *प्रतिशत* की वृद्धि दर्ज की गई। उसी अवधि के दौरान 2.47 *प्रतिशत* औसत वार्षिक वृद्धि पंजीकृत की गई थी। बकाया सार्वजनिक ऋण की वृद्धि की दर 2012-13 से 2016-17 की अवधि के दौरान (-) 1.23 *प्रतिशत* तथा (+) 9.70 *प्रतिशत* के मध्य थी। सार्वजनिक ऋण ₹ 1,695.53 करोड़ के लघु बचत संग्रहण के अंश की प्राप्ति के कारण 2016-17 में 0.12 *प्रतिशत* की दर से बढ़ गई।

स.रा.घ.उ. की वृद्धि की दर 2012-13 में 13.81 *प्रतिशत* से घटकर 2014-15 में 10.96 *प्रतिशत* हो गई, 2016-17 में बढ़कर यह 12.76 *प्रतिशत* हो गई। लेकिन यह सार्वजनिक ऋण के ब्याज की औसत दर से थोड़ा अधिक ही थी जो 2012-17 की अवधि के दौरान 8.54 *प्रतिशत* से 9.73 *प्रतिशत* के मध्य थी।

ब्याज भुगतान तथा राजस्व प्राप्ति का अनुपात 2012-13 में 11.20 *प्रतिशत* से घटकर 2016-17 में 8.39 *प्रतिशत* हो गया।

ऋण भुगतान तथा ऋण प्राप्ति के अनुपात में भी 2012-13 में 1.40 *प्रतिशत* से 2016-17 में 0.98 *प्रतिशत* तक कमी आई।

1.11 राजकोषीय असंतुलन

तीन प्रमुख राजकोषीय पैरामीटरों - राजस्व, राजकोषीय व प्राथमिक घाटा - एक निर्दिष्ट समयावधि के दौरान राज्य सरकार के वित्तों में सम्पूर्ण वित्तीय असंतुलन की सीमा दर्शाते हैं। सरकारी खातों में घाटे इसकी प्राप्तियों तथा व्यय के बीच अंतर दर्शाते हैं। घाटे की प्रकृति, सरकार के विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन का संकेतक है। इसके अतिरिक्त, जिन तरीकों से घाटों का वित्तीयकरण किया जाता है तथा संसाधन उत्पन्न किए जाते है, इसके राजकोषीय स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण संकेतक के रुप में प्रयोग किए जाते हैं। यह खण्ड इन घाटों के वित्तीयकरण की प्रवृत्तियों, प्रकृति, मात्रा तथा ढंग एवम् राजस्व व राजकोषीय घाटों के वास्तविक स्तरों का निर्धारण प्रस्तुत करता है।

1.11.1 आधिक्य/घाटे की प्रवृत्तियाँ

चार्ट 1.12 व चार्ट 1.13 2012-13 से 2016-17 की अवधि के दौरान आधिक्य/घाटा संकेतकों तथा स.रा.घ.उ. से संबंधित आधिक्य/घाटा की प्रवृत्ति को दर्शाते हैं।

चार्ट 1.12: 2012-17 की अवधि की समाप्ति पर घाटे के संकेतकों की प्रवृत्तियां

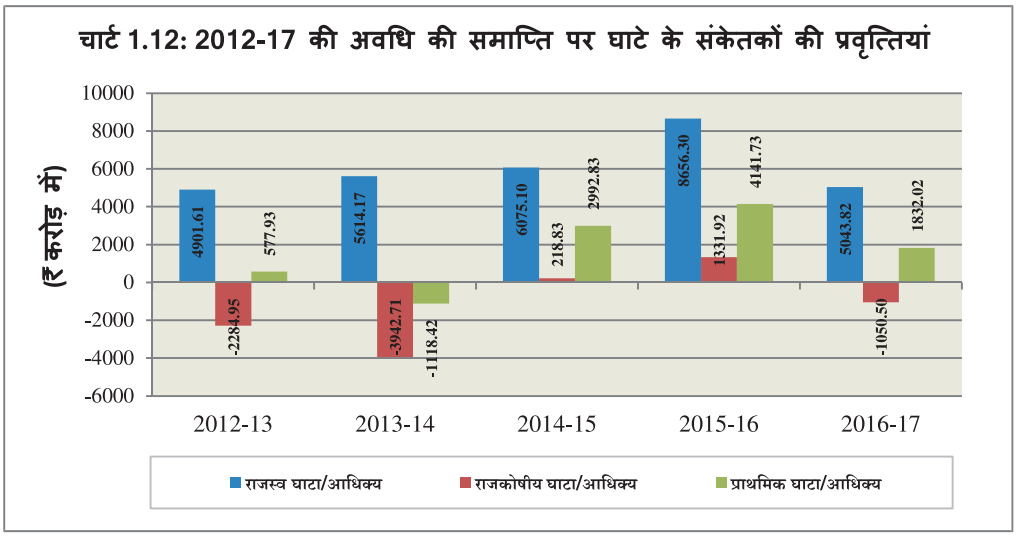

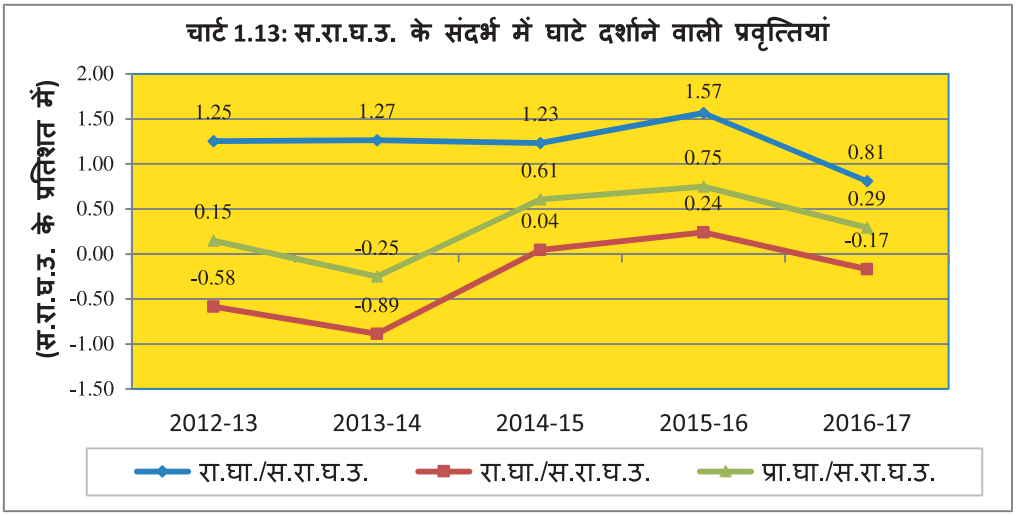

राजस्व आधिक्य राजस्व व्यय के ऊपर राजस्व प्राप्तियों को दर्शाता है। रा.रा.क्षे. में 2012-17 के दौरान लगातार राजस्व आधिक्य हुआ। यह 2012-13 में ₹ 4,901.61 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 8,656.30 करोड़ हो गया तथा 2016-17 में ₹ 5,043.82 करोड़ हो गया। राजस्व व्यय में ₹ 2,959.37 करोड़ की वृद्धि के कारण 2016-17 में राजस्व आधिक्य ₹ 3,612.48 करोड़ तक घट गया था तथा पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व प्राप्तियां ₹ 653.11 करोड़ तक घट गई थी।

राजकोषीय घाटे ने 2012-13 में ₹ 2,284.95 करोड़ से 2013-14 में ₹ 3,942.71 करोड़ वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई जो 2014-15 के दौरान ₹ 218.83 करोड़ का आधिक्य हो गया तथा बाद में 2015-16 में बढ़कर ₹ 1,331.92 करोड़ हो गया लेकिन 2016-17 में यह फिर ₹ 1,050.50 करोड़ के घाटे में बदल गया। राजकोषीय अधिशेष में ₹ 2,382.42 करोड़ की कमी हुई जो 2016-17 में राजकोषीय घाटे में बदल गया, जिसका कारण पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व और ऋणेतर पूँजीगत प्राप्तियाँ (ऋण व अग्रिमों की वसूली + विविध पूँजीगत प्राप्तियों) में ₹ 524.02 करोड़ की कमी और कुल व्यय में ₹ 1,858.40 करोड़ की वृद्धि होना था। राजस्व व्यय में ₹ 2,959.37 करोड़ की भारी वृद्धि हुई, जबकि पूँजीगत व्यय और ऋणों में ₹ 969.17 करोड़ एवं अग्रिमों के संवितरण में ₹ 131.80 करोड़ की कमी आई जिससे कुल व्यय में ₹ 1,858.40 करोड़ की वृद्धि हुई।

2012-13 में रा.रा.क्षे. में प्राथमिक आधिक्य था जो 2013-14 में ₹ 1,118.42 करोड़ के घाटे में परिवर्तित हो गया, लेकिन यह पुनः 2014-15 में घनात्मक होकर ₹ 2,992.83 करोड़ हो गया जोकि 2016-17 में घटकर ₹ 1,832.02 करोड़ हो गया। पिछले वर्ष की तुलना में 2016-17 में ब्याज भुगतान में ₹ 72.71 करोड़ की वृद्धि हुई तथा राजकोषीय आधिक्य में

₹ 2,382.40 करोड़ की कमी के कारण प्राथमिक आधिक्य ₹ 2,309.71 करोड़ से घट गया।

2015-16 में राजस्व आधिक्य स.रा.घ.उ. का 1.57 *प्रतिशत* के प्रति 2016-17 में स.रा.घ.उ. का 0.81 *प्रतिशत* हो गया। राजकोषीय आधिक्य जोकि 2015-16 में स.रा.घ.उ. का 0.24 *प्रतिशत* था 2016-17 में राजकोषीय घाटे में बदल गया था तथा यह स.रा.घ.उ. का 0.17 *प्रतिशत* था।

1.11.2 राजकोषीय घाटे के घटक व इसका वित्तीयन प्रतिरूप

राजकोषीय घाटे के वित्तीयन प्रतिरूप को **तालिका 1.12** में दिखाया गया है:

तालिका 1.12: राजकोषीय घाटे के घटक

(₹ करोड़ में)

	विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
1	राजकोषीय घाटा/आधिक्य* (-/+)	(-)2,284.95	(-) 3,942.71	218.83	1,331.92	(-)1,050.50
2	राजस्व घाटा/आधिक्य (-/+)	4,901.61	5,614.17	6,075.10	8,656.30	5,043.82
3	निवल पूँजीगत व्यय	(-)4,176.63	(-)4,707.42	(-)4,403.94	(-)4,723.47	(-)3,754.30
4	निवल ऋण तथा अग्रिम	(-)3,009.93	(-) 4,849.46	(-)1,452.32	(-)2,600.91	(-)2,340.02
राजकोषीय घाटे का वित्तीयन प्रतिरूप**						
1	भा.स. से ऋण	365.58	2,837.60	417.60	805.96	40.91
** घाटे के आंकड़े (-) में तथा अधिशेष (+) में दिखाए गए हैं,*						
*** ये सभी आंकड़े वर्ष के दौरान निवल संवितरण/बाह्य प्रवाह के हैं*						

स्त्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे तथा वे.ले.का., दिल्ली

1.11.3 घाटा/आधिक्य की गुणवत्ता

राजस्व घाटे का राजकोषीय घाटे से अनुपात तथा प्राथमिक घाटे को प्राथमिक राजस्व घाटे व पूंजीगत व्यय (ऋण व अग्रिमों सहित) में खंडित करने पर राज्य के वित्तों में घाटे की प्रकृति का संकेत मिलता है। राजकोषीय घाटे से राजस्व घाटे का अनुपात दर्शाता है कि ऋण ली गई निधि किस सीमा तक वर्तमान उपभोग हेतु प्रयोग की गई। इसके अतिरिक्त, राजकोषीय घाटे में राजस्व घाटे का निरंतर उच्च अनुपात यह भी दर्शाता है कि राज्य का परिसम्पति आधार लगातार घट रहा था तथा ऋणों के एक भाग (राजकोषीय देयताएँ) हेतु कोई परिसंपत्तीय पूर्ति नहीं थी। चूंकि 2012-17 की पूरी अवधि में दिल्ली का राजस्व आधिक्य रहा, इसलिए ऋण ली गई निधि को केवल पूंजीगत व्यय व ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए उपयोग किया गया जैसा कि

तालिका 1.13 में दिया गया हैः

तालिका 1.13: प्राथमिक घाटा/आधिक्य-घटकों का विभाजन

(₹ करोड़ में)

वर्ष	गैर-ऋण प्राप्तियाँ	प्राथमिक राजस्व व्यय	पूँजीगत व्यय	ऋण व अग्रिम	प्राथमिक व्यय	प्राथमिक राजस्व घाटा (-)/ आधिक्य(+)	प्राथमिक घाटा (-) /आधिक्य (+)
1	2	3	4	5	6(3+4+5)	7(2-3)	8(2-6)
2012-13	26,285.87	17,796.48	4,176.63	3,734.83	25,707.94	8,489.39	577.93
2013-14	28,783.60	19,542.23	4,707.42	5,652.37	29,902.02	9,241.37	(-)1,118.42
2014-15	29,812.20	20,735.49	4,403.94	1,679.94	26,819.37	9,076.71	2,992.83
2015-16	35,082.26	23,532.74	4,723.47	2,684.32	30,940.53	11,549.52	4,141.73
2016-17	34,558.24	26,419.40	3,754.30	2,552.52	32,726.22	8,138.84	1,832.02

स्त्रोतः संबंधित वर्षों के वित्त लेखे तथा वे.ले.का., दिल्ली

सरकार को 2012-13 में ₹ 577.93 करोड़ का प्राथमिक आधिक्य हुआ। गैर-ऋण प्राप्तियाँ प्राथमिक व्यय की पूर्ति नहीं कर पाई, जिससे 2013-14 में ₹ 1,118.42 करोड़ का प्राथमिक घाटा हुआ। 2014-15 में, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का प्राथमिक आधिक्य पुनः ₹ 2,992.83 करोड़ हो गया जोकि 2015-16 में बढ़कर ₹ 4,141.73 करोड़ हो गया तथा 2016-17 में घटकर ₹ 1,832.02 करोड़ हो गया। पिछले वर्ष से 2016-17 के दौरान पूंजीगत व्यय ₹ 969.17 करोड़ से घट गया। पूंजीगत व्यय प्राथमिक व्यय के *प्रतिशत* के रूप में पिछले वर्ष के 15.27 *प्रतिशत* की तुलना में घटकर 11.47 *प्रतिशत* हो गया। पूंजीगत व्यय पर वित्तीय परिव्यय वांछित परिणामों की प्राप्ति हेतु समय पर भौतिक परिसम्पत्तियों में परिणत होना चाहिए।

1.12 निष्कर्ष

2016-17 के दौरान राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 653.11 करोड़ (1.87 *प्रतिशत*) से घट गई क्योंकि पिछले वर्ष से मुख्यतः गैर-कर राजस्व में ₹ 134.71 करोड़ (26.14 *प्रतिशत*) तथा भा.स. से अनुदानों ₹ 1,433.13 करोड़ (33.66 *प्रतिशत*) में कमी के कारण प्रत्याशित बजट अनुमानों से कर राजस्व तथा गैर-कर राजस्व 3.9 *प्रतिशत* तथा 16.4 *प्रतिशत* से कम थे। 2016-17 में कुल राजस्व प्राप्तियों में रा.रा.क्षे. के अपने कर राजस्व का अंश 90.67 *प्रतिशत* था।

पिछले वर्ष से 2016-17 में कुल व्यय ₹ 35,608.74 करोड़ से ₹ 1,858.40 करोड़ (5.51 *प्रतिशत*) बढ़ गया। कुल वृद्धि में राजस्व व्यय ₹ 2,959.37 करोड़ जबकि पूँजीगत व्यय तथा ऋण एवं अग्रिम घटकर क्रमशः ₹ 969.17 करोड़ और ₹ 131.80 करोड़ हो गए थे।

31 मार्च 2017 तक सरकार ने सांविधिक निगमों, ग्रामीण बैंकों, संयुक्त स्टॉक कंपनियों तथा सहकारी समितियों में ₹ 18,933.05 करोड़ निवेश किए थे। इन निवेशों पर प्रतिफल 0.06 *प्रतिशत* था जबकि 2016-17 के दौरान सरकार ने अपने उधारों पर 8.65 *प्रतिशत* की औसत दर से ब्याज का भुगतान किया था।

संपूर्ण राजकोषीय देयताएँ 2012-13 में ₹ 29,242.71 करोड़ से बढ़कर 2016-17 में ₹ 33,344.78 करोड़ (14.03 *प्रतिशत*) हो गई। 2016-17 के अंत में राजकोषीय देयतायँ राजस्व प्राप्तियों का 0.97 गुणा तथा रा.रा.क्षे. के अपने संसाधनों का 1.06 गुणा थी।

रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजकोषीय स्थिति के प्रमुख राजकोषीय पैरामीटरों जैसे राजस्व आधिक्य, राजकोषीय घाटे और प्राथमिक घाटे के संदर्भ में 2016-17 में राजस्व आधिक्य पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 3,612.48 करोड़ (41.73 *प्रतिशत*) से घट गई। 2015-16 में ₹ 1,331.92 करोड़ का राजकोषीय आधिक्य 178.87 *प्रतिशत* घट गया तथा 2016-17 में ₹ 1,050.50 करोड़ के राजकोषीय घाटे में बदल गया। 2015-16 में ₹ 4,141.73 करोड़ का प्राथमिक आधिक्य 2016-17 में घटकर (55.77 *प्रतिशत*) ₹ 1,832.02 करोड़ हो गया।

राजस्व आधिक्य 2015-16 में स.रा.घ.उ. के 1.57 *प्रतिशत* के प्रति 2016-17 में स.रा.घ.उ. का 0.81 *प्रतिशत* हो गया। राजकोषीय आधिक्य जोकि 2015-16 में स.रा.घ.उ. का 0.24 *प्रतिशत* था तथा राजकोषीय घाटे में बदल गया, 2016-17 में यह स.रा.घ.उ. का 0.17 *प्रतिशत* था।

1.13 सिफारिशें

सरकार विचार कर सकती है:

i. आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव हेतु पूंजीगत व्यय को बढ़ाना; और
ii. इकाईयों/संस्थानों से बकाया ऋणों की वसूली हेतु प्रभावी कदम उठाना।
iii. निवेश पर नगण्य वापसी को देखते हुए सांविधिक निगमों, ग्रामीण बैंकों, संयुक्त स्टॉक कंपनियों तथा सहकारी समितियों के निष्पादन का और अधिक ध्यानपूर्वक निरीक्षण तथा मूल्यांकन किया जाना।